an>

Title: Need to declare Giri-paar region of Sirmaur District, Himachal Pradesh as a Scheduled area.

श्री वीरेन्द्र कश्यप (शिमला) : उपाध्यक्ष महोदय, गत कई वर्षों से हिमाचल प्रदेश के जिला सिरमौर के हाटी समुदाय के लोग अपने क्षेत्र को जनजातीय क्षेत्र घोषित करवाने के लिए मांग करते आ रहे हैं। सिरमौर जिला हिमाचल प्रदेश का सबसे कम विकसित जिला है तथा गीरी-पार क्षेत्र से जाना जाता है। इसे जनजातीय क्षेत्र घोषित किया जाना बिल्कुल न्यायसंगत एवं तर्कसंगत है। उत्तराखंड के जौनसार भाबर क्षेत्र जो सिरमौर रियासत के समय का ही हिस्सा हुआ करता था, अब उत्तराखंड प्रदेश में है जिसे कई वर्षों पहले ही जनजातीय क्षेत्र घोषित कर दिया गया है। इन दोनों क्षेत्रों के रहन-सहन, वेश-भूषा, सामाजिक आदान-प्रदान तथा अन्य रीति-रिवाज एक जैसे हैं परन्तु हिमाचल प्रदेश के गीरी-पार क्षेत्र को जनजाति क्षेत्र घोषित करवाने के लिए यहां के लोग प्रयासरत व संघर्षरत हैं।

गत वर्षों में हिमाचल प्रदेश विधान सभा द्वारा सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर केन्द्र सरकार को भेजा गया था तथा वर्ष 2011 में वहां के स्थानीय लोक सभा सांसद के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल तत्कालीन माननीय प्रधान मंत्री से मिला और अपना पक्ष रखा जिस पर माननीय प्रधान मंत्री महोदय ने प्रदेश सरकार से एक विस्तृत रिपोर्ट मांगी थी जिसे अभी तक केन्द्र सरकार को नहीं भेजा गया है।

अत: सदन के माध्यम से मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि उक्त क्षेत्र को शीघ्रातिशीघ्र जनजातीय क्षेत्र घोषित किया जाए।